Dattatreya Aarti lyrics in Hindi : दत्तात्रेय आरती हिंदी

ॐ गुरुदेवदत्त अवधूत मारग सिद्ध चौरासी तपस्या करे,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे,
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
बिछी है जाज़म लगी है तकिया, नाम निरंजन स्वामी जी जपे
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
पीर जो होकर गद्दी जो बैठे ताज तुरण हाथी चड़े,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
पंडित होकर वेद जो वांचे, धंधा उपाधि से न्यारा रहे,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
ऋषि मुनि गुरु दुधा जो धारे उर्ध्वाबाहुं तपस्या करे,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
रूखड़ सुखड़ धूप जो खावे, नागा निर्भय तपस्या करे
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
कोई है लाखी गुरु कोई है खाकी गुरु वानखंडी वन मे तपस्या करे
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
आबू जो गढ़ गिरनारवासा, माहुर गढ़ भिक्षा करे,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे

ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
चंदा जो सूरज गुरु नौलक्ष तारे, गुरुजी तुम्हारी परिक्रमा करे,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
जपत ब्रह्मा रटत विष्णु आदि देव महेश्वर
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
दशनाम भेष गुरु शैल सन्यासी सर्व देव रक्षा करे
श्री भेष कियो शंभु टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे,
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
देव भारती देव लीला दोऊ कर जोड़े स्तुति करे
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
ॐ गुरुदेवदत्त अवधूत मारग सिद्ध चौरासी तपस्या करे,
श्री भेष कियो शंभू टेक कारण गुरुजी शिखरपर तप करे,
ॐ गुरु दत्तात्रेय गिरनार मे जप करे, अलखजी माहुर गढ़ राज करे
शिवशंकर जी कैलाश मे ध्यान धरे
श्री गुरु दत्तात्रेय महाराज की जय।